तापमान

अधिकतम 21.8 डिग्री
न्यूनतम 3.1 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि

रोहतक, सोमवार 19 जनवरी 2026

11 प्लेटफार्म नंबर 1 की बढ़ाई जाएगी स्टैंडर्ड हाइट

12 भाखरपुर में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार जारी रहेगा : कादियान

खबर संक्षेप

गवाह पर हमले के आरोपी गिरफ्तार

सोनीपत। मुकदमे के गवाह को गवाही न देने का दबाव बनाते हुए गंभीर चोटें मारने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में जिले की एसयूएजी यूनिट सेक्टर 7, सोनीपत की पुलिस टीम ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित अमित उर्फ मित्ता और शुभम उर्फ तिनका निवासी गांव डाहर, इसराना जिला पानीपत हैं। पुलिस के अनुसार 17 दिसंबर 2025 को दीदार पुत्र बलजीत निवासी गांव बुब, जिला होशियारपुर पंजाब ने थाना सिविल लाइन सोनीपत में शिकायत दी थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह भिगान टोल मुरथल पर कार्यरत था और वहां मारपीट के एक मामले में गवाह है। गवाही के लिए कोर्ट जाते समय शनि मंदिर रेलवे अंडरपास के पास उस पर डंडों और सरियों से हमला किया गया तथा जान से मारने की धमकी दी गई। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत अभियोग दर्ज किया गया था। पुलिस ने जांच के दौरान दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें दो दिन के पुलिस रिमाण्ड पर लिया गया है।

ट्रक चालक को चाकू मारने का आरोपी पकड़ा

गोहाना। बरोदा थाना की पुलिस ने चालक का रास्ता रोककर चाकू से हमला करने व मारपीट करने की घटना में संलिप्त आरोपित गांव आहुलाना के आशीष को गिरफ्तार किया। न्यायालय के आदेश पर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गांव मातंड के अजीत ने शनिवार को पुलिस को शिकायत दी थी कि वह जुलाना गोदाम से ट्रक में गेहूं भरकर झुंडपुर जा रहा था। जब वह महम रोड स्थित गांव आहुलाना में चीनी मिल के पास पहुंचा तो तीन युवक बीच सडक़ में चल रहे थे। उन्होंने शराब पी रखी थी। उसने युवकों को रोड से हटने को कहा। जब उसने ब्रेकर पर गाड़ी को धीमा किया तो दो युवक सामने खड़े हो गए और एक युवक खिडक़ी से चढ़ गया। युवक ने उस पर चाकू से दो-तीन वार किए और उसके बाद मारपीट की। पुलिस ने आरोपित गांव आहुलाना के आशीष को गिरफ्तार किया। उससे चाकू भी बरामद किया गया। आरोपित पर पहले भी चार केस दर्ज हैं।

ठंड और कोहरे का डबल अटैक, पारा 3.1 डिग्री, सुबह 11 बजे तक छाई धुंध

■ रविवार को प्रदेश में सबसे ठंडा रहा सोनीपत ■ कोहरे ने हाईवे पर थामे रखी गाड़ियों की रफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏩ सोनीपत

जिले में मौसम में बदलाव का दौर लगातार जारी है और ठंड व कोहरे ने आम जनजीवन को खासा प्रभावित कर रखा है। रविवार को सुबह के समय घना कोहरा छाने से जहां दृश्यता बेहद कम हो गई, वहीं ठंडी हवाओं ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी। खासकर सुबह और देर रात के समय सड़कों पर चलने वाले वाहन चालकों, दिहाड़ी मजदूरों, विद्यार्थियों और बुजुर्गों को अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। रविवार सुबह साढ़े छह बजे के बाद अचानक मौसम का मिजाज बदला और कोहरा छा गया। सात बजे के बाद कोहरा और घना होता चला गया, जिससे सड़कों पर दृश्यता काफी कम हो गई। कई स्थानों पर वाहन चालकों को हेडलाइट और फॉग लाइट का सहारा लेना पड़ा। हाईवे और प्रमुख सड़कों पर रफ्तार धीमी रही। कोहरे के कारण कुछ देर के लिए यातायात भी प्रभावित हुआ, हालांकि किसी बड़े हादसे की सूचना नहीं मिली। सुबह करीब 11 बजे के बाद कोहरा धीरे-धीरे छंटना शुरू हुआ और धूप निकलने से लोगों को कुछ राहत मिली। धूप निकलते ही बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर लोगों की आवाजाही बढ़ी। हालांकि ठंडी हवा चलने के कारण दिन भर ठंड का अहसास बना रहा। दिन के समय करीब पांच किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलती रही, जिससे तापमान में खास बढ़ोतरी नहीं हो सकी।

■ **सुबह छह बजे के बाद अचानक मौसम का मिजाज बदला, कोहरा छाने लगा**

■ **सात बजे के बाद घना होता गया**

सोनीपत। गोहाना बाईपास पर सुबह के समय छाया कोहरा।

ठंडी उत्तर-पश्चिमी हवाओं के कारण तापमान में गिरावट

मौसम विभाग के अनुसार सोनीपत के सरगथल क्षेत्र में न्यूनतम तापमान 3.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पूरे प्रदेश में सबसे कम रहा। यह तापमान सामान्य से काफी नीचे माना जा रहा है। वहीं जिले का अधिकतम तापमान करीब 21.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान में लगातार गिरावट के चलते ठंड का असर और गहरा गया है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार उत्तर भारत में पश्चिमी विक्षोभ के कमजोर होने के बावजूद ठंडी उत्तर-पश्चिमी हवाओं के कारण तापमान में गिरावट बनी हुई है। रात के समय आसमान साफ रहने और हवा की गति कम होने से कोहरा बनने की स्थिति बन रही है। सुबह और रात के तापमान में अंतर के कारण कोहरा छा रहा है।

मौसम गेहूं और सरसों के लिए फायदेमंद

कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि ठंड और कोहरे का यह दौर गेहूं और सरसों की फसलों के लिए फिलहाल अनुकूल माना जा रहा है, लेकिन अधिक कोहरा और नमी फसलों में रोग लगने की संभावना बढ़ा सकती है। किसानों को सलाह दी गई है कि वे फसलों की नियमित निगरानी करें और आवश्यकतानुसार कृषि विशेषज्ञों से परामर्श लें। वहीं स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार इस मौसम में बुजुर्गों, बच्चों और पहले से बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। ठंड और कोहरे के कारण लोग सर्दी, खांसी, जुकाम से परेशान हो रहे है।

ग्रैप का चौथा चरण लागू प्रशासन ने बढ़ाई निगरानी

सोनीपत। दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता के अति गंभीर स्तर पर पहुंचने के बाद ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान का चौथा चरण लागू कर दिया गया है। हालात से निपटने के लिए प्रशासन ने आपात प्रदूषण नियंत्रण उपाय सख्ती से लागू करने के आदेश जारी किए हैं। दिल्ली में डीजल ट्रकों के प्रवेश पर कड़ी पाबंदी लगा दी गई है और केवल स्वच्छ ईंधन से चलने वाले वाहनों को ही प्रवेश की अनुमति दी जा रही है। सोनीपत में फिलहाल वायु गुणवत्ता सूचकांक मध्यम श्रेणी में बना हुआ है, लेकिन पड़ोसी क्षेत्रों में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। जिले में निर्माण और विध्वंस से जुड़े सभी कार्यों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। साथ ही औद्योगिक इकाइयों की निगरानी बढ़ा दी गई है और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन की टीमें लगातार फील्ड में गश्त कर रही हैं।

जिले का एक्यूआई 136

वायु गुणवत्ता की बात करें तो रविवार को जिले का वायु गुणवत्ता सूचकांक 136 दर्ज किया गया, जो मध्यम श्रेणी में आता है। हालांकि यह स्तर गंभीर नहीं माना जा रहा, लेकिन ठंड और कोहरे के साथ वायु गुणवत्ता में गिरावट सांस के मरीजों के लिए परेशानी का कारण बन सकती है। विशेषज्ञों ने बच्चों और बुजुर्गों को सुबह के समय खुले में टहलने से बचने की सलाह दी है। आने वाले दिनों में भी सुबह और रात के समय कोहरे की स्थिति बनी रह सकती है। तापमान में बहुत अधिक बढ़ोतरी की संभावना फिलहाल नहीं है। दिन में धूप निकलने से कुछ राहत जरूर मिल सकती है, लेकिन ठंडी हवाओं का खतरा रहेगा।

आधुनिक सुविधाओं के साथ टिकट बुकिंग काउंटर शुरू

रेलवे ने यात्रियों के बैठने के लिए बैंच लगाए

सोनीपत। बुकिंग कार्यालय की विंडो पर टिकट खरीदते यात्री।

सोनीपत। रेलवे स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार पर निर्माणाधीन नए भवन में यात्रियों के लिए आधुनिक सुविधाओं के साथ टिकट बुकिंग काउंटर की शुरुआत कर दी गई है। रेलवे ने पुराने भवन से बुकिंग कार्यालय को नए भवन में स्थानांतरित कर रविवार को यात्रियों को नई सौगात दी है। शनिवार तक टिकट बुकिंग कार्यालय पुराने भवन में ही चल रहा था, लेकिन रविवार से यात्रियों के लिए नए भवन में बनाए गए कार्यालय में यह सुविधा प्रारंभ कर दी गई है। अब यात्रियों को ज्यादा भीड़ होने पर बाहर नहीं खड़ा होना पड़ेगा।

वह आराम से सामने बैंच पर बैठकर अपनी बारी का इंतजार कर टिकट खरीद या आरक्षित करवा सकेंगे। सोनीपत स्टेशन पर नए बुकिंग कार्यालय में कर्मचारियों के साथ यात्रियों के लिए भी आधुनिक व्यवस्थाएं की गई हैं। पहले की अपेक्षा टिकट विंडो को बढ़ाकर 4 से 6 किया गया है। हर विंडो को ग्रिल लगाकर अलग-अलग पंक्ति में बांटा गया है। इनमें से एक सहयोग विंडो होगी, जिस पर यात्री ट्रेनों संबंधी जानकारी ले सकेंगे। अमृत भारत स्टेशन परियोजना के अंतर्गत दिल्ली मंडल के करीब 14 स्टेशनों पर होने वाले विस्तार कार्यों में सोनीपत भी शामिल है।

सोनीपत स्टेशन पर करीब 29 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्य 85 फीसदी पूर्ण हो चुका हैं। नए भवन में टिकट बुकिंग काउंटर शुरू होने से रोजाना दिल्ली-अंबाला रूट पर आवागमन करने वाले करीब 40 हजार यात्रियों को लाभ मिलेगा।

टिकट के लिए लंबी लाइन में नहीं लगना पड़ेगा

अमृत भारत स्टेशन परियोजना के अंतर्गत सोनीपत स्टेशन पर विभिन्न विकास कार्य चल रहे हैं। मुख्य प्रवेश-निकासी द्वार पर निर्माणाधीन भवन में बुकिंग कार्यालय को स्थानांतरित करवा दिया गया है। अब नियमित रूप से यात्री नए टिकट काउंटर पर टिकट खरीद व आरक्षित करवा सकेंगे।
-मुकेश कुमार, मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक, दिल्ली रेल मंडल

सेक्टर 14 मार्केट में 30 लाख रुपये से होगा सौंदर्यीकरण

रंग- बिरंगी इंटरलॉकिंग टाइल्स लगेंगी फैंसी लाइटों से जगमग होगा बाजार

सोनीपत। विधायक निखिल मदान और पूर्व मेयर राजीव जैन रविवार को सेक्टर 14 मार्केट में पहुंचे जहां उन्होंने विकास कार्यों का नारियल तोड़कर शुभारंभ किया। विधायक निखिल मदान ने बताया कि वेंगी स्कीम के तहत विधायक निधि कोष से लगभग 30 लाख रुपए की लागत से सेक्टर 14 मार्केट के सौंदर्यीकरण का कार्य शुरू करवाया गया है। जिसमें सेक्टर 14 मार्केट की सभी इंटरलॉकिंग टाइल्स को नए सिरे से बदला जाएगा और विभिन्न रंगों की नई आकर्षक इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाई जाएगी। इसके साथ ही आकर्षक फैंसी लाइटों से पूरे सेक्टर 14 मार्केट को रोशन किया जाएगा। साथ ही लोगों के बैठने के लिए आकर्षक बेंच मार्केट में लगाएं जाएंगे। स्टील की रेलिंग इत्यादि लगाकर मार्केट क्षेत्र को डिजाइन किया जाएगा।

आई लव यू सोनीपत का बोर्ड लगेगा

आई लव यू सोनीपत का बोर्ड लगाकर पूरे मार्केट का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। इसके बाद विधायक निखिल मदान, पूर्व मेयर राजीव जैन और पूर्व पार्षद सुरेंद्र मदान आदर्श नगर में पहुंचे, जहां उन्होंने विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ किया। राजीव जैन ने बताया कि आज आदर्श नगर की मुख्य गली में बरसाती पानी की निकासी के लिए स्टॉर्म वाटर लाइन बिछाने का कार्य शुरू किया गया है। राधा स्वामी सत्संग वाली गली में लगभग 18 लाख से सीवरेज और पेयजल नई पाइपलाइन बिछाई जाएगी।

सोनीपत पुलिस की अपराधियों के खिलाफ जंग, बख्शने के मूड में नहीं खाकी

पांच दिन में तीसरी और साल की चौथी मुठभेड़

सोनीपत। वर्ष 2026 की शुरुआत के साथ ही कानून व्यवस्था को चुनौती देने वाले आरोपितों और पुलिस के बीच आमना सामना तेज हो गया है। अपराधियों के विरुद्ध पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत रविवार सुबह एक बार फिर गोलियों की गूंज सुनाई दी। रविवार को तड़के सीआईए-1 की टीम और शातिर अपराधी अंकित रिढाऊ के बीच हुई मुठभेड़ ने यह स्पष्ट कर दिया है कि पुलिस अब किसी भी सूरत में अपराधियों को बख्शने के मूड में नहीं है। एक जनवरी से शुरू हुआ यह सिलसिला अब तक चार मुठभेड़ों तक पहुंच चुका है जिसमें महज पिछले पांच दिनों के भीतर पुलिस ने तीन बार आरोपितों को घेरा है। रविवार सुबह लगभग साढ़े छह बजे का वक्त था जब सीआईए-1 की टीम को सूचना मिली कि 17 मामलों में नामजद आरोपित अंकित रिढाऊ किसी बड़ी वारदात की फिराक में है। पुलिस ने घेराबंदी की तो आरोपित ने खुद को घिरा देख पुलिस टीम पर जानलेवा हमला कर दिया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने गोलियां चलाईं जो अंकित के दोनों पैरों में जा लगीं। गोली लगने से घायल हुए आरोपित को तुरंत काबू कर खरखौदा के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल खानपुर कलां रेफर कर दिया है।

पुलिस ने मुकाबले के बाद कुख्यात अंकित रिढाऊ को दबोचा

अंकित रिढाऊ ने पुलिस की पूछताछ में एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। आरोपित ने स्वीकार किया है कि उसने पूर्व टोल मैनेजर को अदालत में गवाही देने से रोकने के लिए अपने साथियों को भेजकर उसके हाथ पैर तुड़वाए थे। अंकित के खिलाफ दर्ज मुकदमों की फेहरिस्त बहुत लंबी है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपित पर विभिन्न थानों में कुल 17 मामले दर्ज हैं। इनमें से नौ मामले अकेले हत्या की कोशिश के हैं। रविवार को पुलिस टीम पर किए गए जानलेवा हमले के बाद एक और नया मुकदमा उसकी सूची में जुड़ गया है।

अंकित की कई जिलो में दहशत

अंकित के अपराध का दायरा केवल सोनीपत तक सीमित नहीं था बल्कि उसने आसपास के जिलों में भी दहशत फैला रखी थी। उसके विरुद्ध खरखौदा थाने में मारपीट और धमकी देने के मामले दर्ज हैं। सदर थाना सोनीपत में उसके खिलाफ चोरी मारपीट और मादक पदार्थ तस्करी के मुकदमे चल रहे हैं। सिविल लाइन थाना सोनीपत सदर थाना गोहाना झज्जर के बेरी थाना और मोहाना थाने में भी उसके विरुद्ध हत्या की कोशिश शस्त्र अधिनियम और लूटपाट जैसे गंभीर मामले दर्ज हैं। मुरथल थाने में उस पर गवाह को धमकी देने का भी आरोप है।

साल के पहले दिन हिस्ट्रीशीटर पकड़ा

इस साल की मुठभेड़ों की शुरुआत एक जनवरी को ही हो गई थी जब मुरथल थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे-44 पर सीआईए कुंडली और हत्या के आरोपितों के बीच जंग छिड़ी थी। उस मुठभेड़ में हिस्ट्रीशीटर समीर के पैर में गोली लगी थी जबकि उसके भाई साजिद को पुलिस ने मौके से दबोच लिया था। इन दोनों आरोपितों ने आपसी रंजिश और अवैध संबंधों के चलते अपने ही साढ़ु की हत्या कर उसके शव को जला दिया था।

14 और 15 को लगातार मुठभेड़ः पुलिस की यह सक्रियता जनवरी के दूसरे पखवाड़े में और अधिक बढ़ गई। महज पांच दिनों के भीतर तीन बड़ी मुठभेड़ हुई हैं। 14 जनवरी की आधी रात को पुलिस ने डाका डालने और हत्या करने के आरोपित शेखर और उसके साथी शफीक को एक मुठभेड़ के दौरान पकड़ा। उनके तीसरे साथी सद्दाम को पुलिस पहले ही अपनी गिरफ्त में ले चुकी थी। पुलिस की यह कार्रवाई अभी थमी भी नहीं थी कि ठीक 24 घंटे बाद 15 जनवरी की रात को खरखौदा के सांपला बाइपास पर एसटीएफ सोनीपत की टीम इनामी हत्यारोपी अनुज उर्फ डॉक्टर से भिड़ गई। रेवाड़ी के गोकलगढ़ निवासी इस आरोपित ने भागने की कोशिश की लेकिन पुलिस की गोली से घायल हो गया।

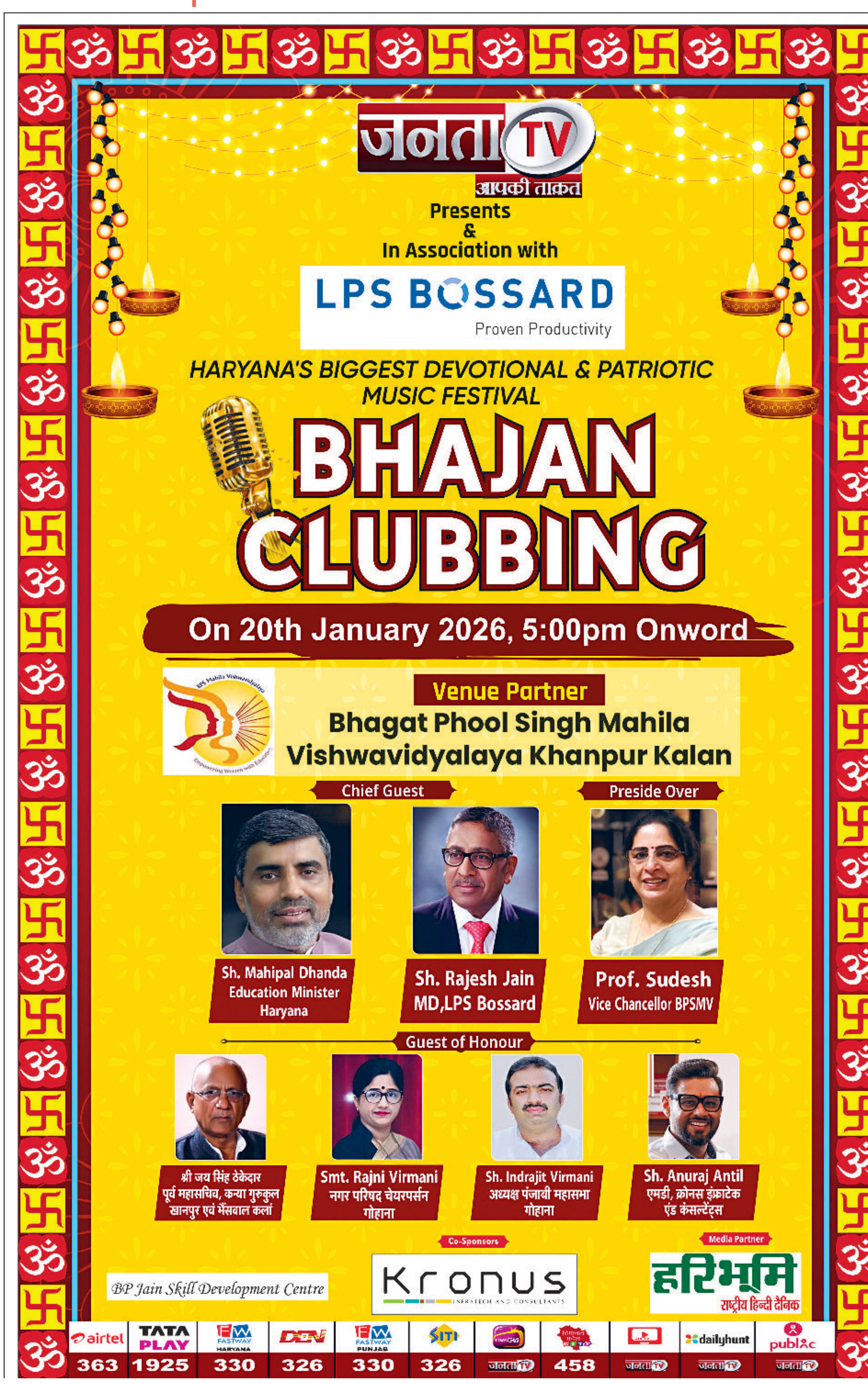

समय, सेहत और संबंध... इन तीनों पर कीमत का लेबल नहीं लगा होता है, लेकिन जब हम इन्हें खो देते हैं तब इनकी कीमत का अहसास होता है।

- मुंशी प्रेमचंद

मानव मन की इच्छाएं तो असीमित हैं। बंधन उसे अस्वीकार्य हैं। पक्षियों की तरह उड़ने के लिए उसे खुला आसमान चाहिए और तैरने के लिए विस्तृत सागर। वह उन्नति के शिखरों पर चढ़ना चाहता है। हर काम में प्रतिस्पर्धा। आगे बढ़ने की चाहना। सुख-सुविधाओं की लालसा के आगे, अपनों से दूरी उनकी राह में बाधक नहीं बनती। मोह भी समाप्त हो जाता है। भौतिक सुखों का आकर्षण होता ही ऐसा है, तब वह निर्मोही बन जाता है।

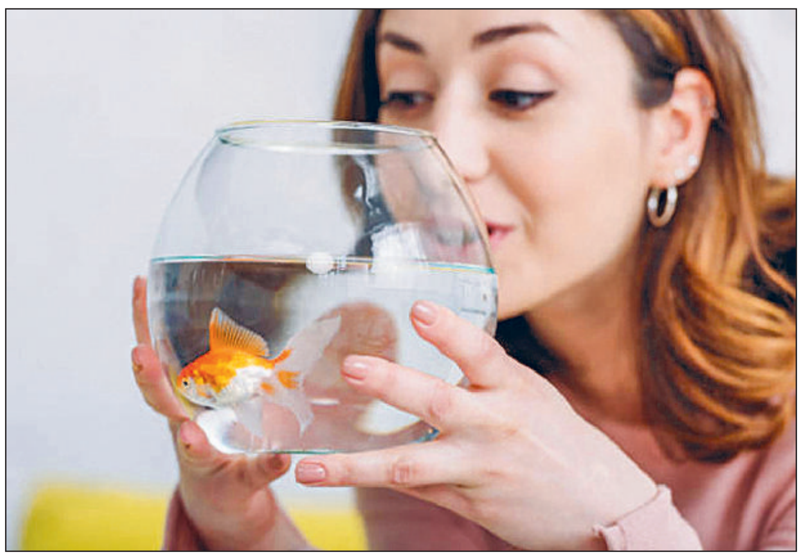

कहानी

सुदर्शन रत्नाकर

अकेलेपन का दंश

मछलियां जब लाई गई थीं, तब वे गिनती में कुल बारह थीं। ऐक्वेरियम के स्वच्छ जल में तैरतीं वे रंग-बिरंगी मछलियां एक दूसरे से टकरातीं, ऊपर-नीचे, दायें-बांयें होतीं अठखेलियां करतीं, घर में सबके आकर्षण का केन्द्र बन गईं थीं। ऐक्वेरियम के बैकग्राउंड में लगी लैंडस्केप में पहाड़, झरना, पेड़ सब थे, जो देखने में एक सुंदर दृश्य उपस्थित करते थे; लेकिन उन मछलियों के तैरने, विचरण करने की एक सीमा थी। नदी, तालाब या सागर का अथाह जल नहीं था। जो भी था तीन बाय दो फ़ीट का ऐक्वेरियम ही उनका संसार था। सीमित जल ही उनका जीवन था। स्वाभाविक रूप में जीव -जन्तु उनका भोजन नहीं थे। हमारी कृपा से ही उनका पेट भरता था। शायद हमारी कृपा अधिक ही हो जाती थी। सुबह-शाम तो उनकी डाइट डाली ही जाती थी। बच्चे आते-जाते उन्हें देखते और साथ में में दो-चार दाने ऐक्वेरियम में डाल देते।

मछलियों में हलचल शुरू हो जाती। किसी के हिस्से में दो दाने आ गये और शेष रह गईं। कोई मुटा रही थी तो कोई पहले से दुबली हो रही थी। रंग-बिरंगी दस मछलियां बेहद सुंदर थीं; लेकिन दो एकदम काली, जो दूर से ही पहचानी जाती थीं। दूसरी मछलियों से अलग और जीवट। दूसरी मछलियों को धकेलतीं एक से दूसरे कोने में पहुंच जातीं। वे रहती भी उन दोनों से अलग थीं। शायद वे उनसे अलग प्रजाति की होंगी। पर मैंने देखा कि थोड़े दिन में वे दूसरी मछलियों से हिलमिल गई थीं। एक कोने में न जाकर उनके बीच जाकर खेलने लगतीं। मछलियों के क्रियाकलापों से लगता था, बंधन में रहकर भी वे खुश हैं। उन्होंने परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढाल लिया था। न भी खुश रहतीं तो भी उन्हें रहना तो वहीं था। बाहर निकल नहीं सकती थी, क्योंकि वहां जीवन का अंत था। पर मानव मन की इच्छाएं तो असीमित हैं न। बंधन उसे अस्वीकार्य हैं। पक्षियों की तरह उड़ने के लिए उसे खुला आसमान चाहिए और तैरने के लिए विस्तृत सागर। वह उन्नति के शिखरों पर चढ़ना चाहता है। हर काम में प्रतिस्पर्धा। आगे बढ़ने की चाहना। सुख-सुविधाओं की लालसा के आगे, अपनों से दूरी उनकी राह में बाधक नहीं बनती। मोह भी समाप्त हो जाता है। भौतिक सुखों का आकर्षण होता ही ऐसा है, तब वह निर्मोही बन जाता है। कोई भी बंधन उसे बांध नहीं पाता और वह पंख फैलाकर उड़ जाता है। समीर ने लंदन जाने का फ़ैसला उसे सुना दिया था। उससे पहले उसने सारी औपचारिकताएं पूरी भी कर ली थीं। वह उसे क्या कहती, उसके साथ तो जा नहीं सकती थी। यह समीर जानता था, इसीलिए उसने पूछने की ज़रूरत ही नहीं समझी। मन को यह बात चुभती रही कि वह उसे पहले ही बता देता, तब भी वह उसे रोकती नहीं, वह यह बात भी जानता है। मैंने अनुशासन में रखकर उसे संस्कारों के साथ स्वतंत्रता भी दी हुई थी, इसलिए उसकी इच्छा में बाधक बनने का तो कोई प्रश्न ही नहीं उठता था!

एक महीने के भीतर वे सब चले गए। घर सूना हो गया। तब बरसों पहले छोड़ कर गए मिहिर की बहुत याद आई थी। उसने परिस्थितियों के साथ समझौता कर लिया। मछलियों के साथ समय बिताने लगी थी। उसे देखते ही उनमें हलचल मच जाती। जैसे ही दाना डालती, वे सब उछल-उछल कर ऊपर की ओर आ जातीं। वे उसके सूनेपन की साथी हो गई थीं। ऐक्वेरियम के सामने बैठ कर घंटों उन्हें निहारती। हलकी-हल्की ठंड पड़नी शुरू हो गयी थी। मौसम ख़ुशगवार हो गया था। गुनगुनी धूप अच्छी लगने लगी थी। लॉन में बैठने को मन करता। धूप में बैठे-बैठे भी वह अंदर रखे ऐक्वेरियम में मछलियों को निहारती रहती। यह उसकी दिनचर्या बन गई थी। फिर देखते ही देखते सर्दी बढ़ गई। वर्षा के साथ ठंडी हवाएं चलने लगीं। तापमान गिरता गया। ऐक्वेरियम के सामान्य तापमान में रहने वाली मछलियों के लिए यह तापमान कम था। कमज़ोर मछलियां सह नहीं पाईं और पांच मछलियां मर गईं। उनका साथ छूट गया। उसे अच्छा नहीं लगा। शेष बची मछलियां भी दो दिन तक सुस्त रहीं। उनके डाइट के दाने पानी के ऊपर तैरते रहे। यही नहीं, अगले कुछ दिनों में सात मछलियों में से पांच और चली गईं। शेष वहीं दो काली मछलियां बच गईं, जो सबसे अलग लगती थीं। अब पूरा ऐक्वेरियम उनका था, पर वे दोनों पानी में रखे पत्थरों के बीच छिप कर बैठ जातीं। वह दाना डालती तो उछल कर ऊपर आ जातीं। भूख तो सब को लगती है, ईश्वर ने विधान ही ऐसा बनाया है। परिवार के साथ हो या अकेले पेट भरने के लिए यत्न तो करना पड़ता है। मछलियों को भी पानी में से भोजन तलाशना पड़ता है। उसने कई बार सोचा कि कुछ मछलियां और लाकर पानी में छोड़ दे; लेकिन ऐसा किया नहीं, जिनके लिए किया था वे तो चले गए। उसके लिए ये दो ही बहुत हैं। जब ढेर सारी मछलियां थीं तो ये दोनों अपने में ही मस्त रहती थीं, पर अब जब वह इनके पास से गुजरती हैं तो ये सतर्क हो जाती हैं। उछल कर ऊपर आ जाती हैं और फिर तैरती हुई दूसरे किनारे चली जाती हैं। वह उन्हें कहती है, 'तुम भाग्यशाली हो, दो तो हो। एक दूसरे का सहारा है। एक साथ रहती हो, खेलती हो, बतियाती हो, दिन- रात कब निकल जाते हैं पता ही नहीं चलता होगा तुम दोनों को। मिहिर साथ होते तो उसे भी बच्चों का चले जाना शायद अखरता नहीं।' दोनों मछलियां उछल कर फिर ऊपर आ जाती हैं। वह समझ जाती है, कहती है, 'अच्छा तुम हो मेरे साथ। हाँ, तुम हो, मैं अकेली कहां हूं। नाराज़ क्यों होती हो, चलो दाना खा लो और फिर खेलो, मैं तुम्हारा खेल देखूंगी।' इधर कई दिनों से वह उनसे बतियाने लगी है। अपनी ही आवाज़ सुन कर वह खुश हो जाती है। कोई आवाज़ तो गूंजी घर में। नहीं तो सारा दिन सूनापन पसरा रहता है। दरवाज़े खोल कर भी रखो तो भी बाहर से कोई आवाज़ नहीं आती। हर कोठी का गेट दूसरी कोठी से दूर है। सब अपने में सीमित, अपने - अपने घर में सिमटे रहते हैं। पता ही नहीं चलता, कब कोई बाहर गया और कब अंदर आया। सिवाय सड़क पर आते-जाते वाहनों के कोई और आवाज़ नहीं आती। धुआं और धूल उड़ाती गाड़ियां दिन -रात चलती रहती हैं। उनकी आवाज़ों से डर कर आंगन में लगे पेड़ों पर कभी-कभार ही कोई परिन्दा आकर बैठता है, पर वाहनों की आवाज़ में उनकी आवाज़ विलीन हो जाती है। हां, कभी कभी आती-जाती बाइयों की आवाज़ सुनाई दे जाती है, जो काम से निपट कर बाहर निकलती हैं, तो एक दूसरे से मालिकों की या अपनी गाथा सुनाने खड़ी हो जाती हैं। वह अनुभव कर रही थी, अब उसका शरीर शिथिल होता जा रहा है। खान-पान, दिनचर्या बराबर पहले जैसी है और ऐसा भी नहीं लगता कि वह बीमार है। हां, कभी कभी सांस उखड़ने लगती है। मौसम बदलने पर प्रभाव अधिक पड़ता है। प्रदूषण से भी तो कोई बचाव नहीं। उसने विशेष ध्यान नहीं दिया, लेकिन एक रात सोते हुए उसका दम घुटने लगा। सांस लेने में अत्यधिक कठिनाई हो रही थी। अवश्य ही उसे हार्ट अटैक आने वाला है, सोच कर ही वह सिहर उठी। उसने समझदारी से काम लिया। एम्बुलेंस बुला कर वह स्वयं उसमें जा बैठी। अस्पताल घर के पास ही था, इसलिए वहां पहुंचने में देर नहीं लगी।

सभी टेस्ट करने के बाद पता चला कि उसके फेफड़ों में संक्रमण हो गया है। इलाज शुरू हो गया। पांच दिन वह अकेली अस्पताल में रही। उसने किसी को बताया ही नहीं। वैसे भी कौन ख़ाली बैठा है। पर अकेले समय काटना उसके लिए भारी हो गया था। डॉक्टर या सिस्टर आती तो कमरे का सूनापन थोड़ी देर के लिए कम हो जाता। दो दिन के बाद सुबह-शाम कॉरिडोर में चक्कर लगाने लगी। वार्ड में भी चली जाती। देखती सभी मरीज़ों के पास कोई न कोई सगा सम्बंधी बैठा होता। अस्पताल में मिलने के समय में भी सम्बंधी या परिचित मिलने आ जाते हैं। उस समय मरीज़ के चेहरे पर कितना आत्मसंतोष झलकता है। कोई है, जो अपना है। कितना कठिन होता है दुख की घड़ी में अकेलेपन के दंश को सहना, लेकिन सहना पड़ता है। उसने कुछ मरीज़ ऐसे भी देखे जिनके पास, उसकी तरह मिलने के समय में भी कोई नहीं आता था। घर में ऐक्वेरियम में मछलियां भी तो अकेलेपन को सह रही हैं। आती बार वह दाना डालना नहीं भूली थी, पर अब तक तो वे ख़त्म कर चुकीं होंगी। पांच दिन बाद वह घर लौट आई। कोई सहारा देकर अंदर ले जाने वाला तो था नहीं। थोड़े दिन के लिए एक नर्स का प्रबंध वह अस्पताल से ही करके आई थी। जो एक सप्ताह तक आती रही। फिर मेड को सुबह से शाम तक रोकने लगी। अब ऐक्वेरियम उसने कमरे में रखवा लिया था। एक शाम उसने देखा एक मछली सुस्त हो रही है। उसने खाना भी नहीं खाया और पत्थर के बीच दुबकी रही। शरीर में कोई हरकत नहीं थी। वह मर गई थी। उदासी और निराशा उसे सारा दिन घेरे रही। अब ऐक्वेरियम में एक ही मछली रह गई थी, अकेली उसकी तरह। दो दिन तक वह भी शिथिल रही। साथी के जाने का दुख था शायद। संवेदनाएं तो जीव-जन्तुओं में भी होती हैं, पर मनुष्य ही उनकी भावनाओं को नहीं समझ पाता। अब धीरे-धीरे वह स्वस्थ हो रही थी। मछली की आंखों में अकेलेपन का दर्द उसे दिखाई देने लगा था। वह उसकी ओर देखती, मानो कह रही हो, याचना कर रही हो ,जो वह समझ नहीं पा रही थी, पर एक दिन उसने मछली की आंखों की भाषा पढ़ ही ली थी। तब उसने एक निश्चय कर लिया था। वह ऐक्वेरियम के पास आकर उससे बोली, 'अरी, घबराती क्यों हो, अब तुम अकेली नहीं रहोगी, समझी।' सोने से पहले उसने सोचा-वह और मछलियां लाकर ऐक्वेरियम में छोड़ कर देगी। विशेष रूप से काली मछलियां ज़रूर लाएगी ताकि वह अकेली न रह जाए। उनके साथ बतियाते हुए उसका समय कट जाएगा; लेकिन अगले दिन सुबह जगने पर उसने अपना निर्णय बदल लिया था। एक बड़े डिब्बे में पानी भरा, ऐक्वेरियम को खोल कर उस काली मछली को उसमें डाल दिया। घर के पास ही एक छोटे से पौंड में उसे छोड़ते हुए कहा, "जाओ अपने साथियों के साथ मिलकर आज़ादी से रहो, अकेलेपन की पीड़ा क्या होती है, मैं जानती हूं। और हां, सुनो, मैं भी अब अकेली नहीं रहूंगी अस्पताल जाया करूंगी, उनके साथ रहूंगी, जिनका कोई नहीं, जो अकेले हैं।' मछली ने कुछ सुना या समझा, पता नहीं; लेकिन पौंड में जाते ही वह स्फूर्ति से तैरने लगी।

मछली की आंखों में अकेलेपन का दर्द उसे दिखाई देने लगा था। वह उसकी ओर देखती, मानो कह रही हो, याचना कर रही हो ,जो वह समझ नहीं पा रही थी, पर एक दिन उसने मछली की आंखों की भाषा पढ़ ही ली थी। तब उसने एक निश्चय कर लिया था। वह ऐक्वेरियम के पास आकर उससे बोली, 'अरी, घबराती क्यों हो, अब तुम अकेली नहीं रहोगी, समझी।' सोने से पहले उसने सोचा- वह और मछलियां लाकर ऐक्वेरियम में छोड़ कर देगी। विशेष रूप से काली मछलियां ज़रूर लाएगी ताकि वह अकेली न रह जाए। उनके साथ बतियाते हुए उसका समय कट जाएगा; लेकिन अगले दिन सुबह जगने पर उसने अपना निर्णय बदल लिया था।

कविता | चांदनी केशरवानी 'सुगंधा'

मुक्तक

यहां है झूठ थोड़ा तो यहां सच की भी माला है,
यहां अमृत अगर मिलता है तो विष का भी प्याला है,
यहां मन में ही उठते पाप पुण्यों के समुन्दर हैं
अगर मंथन करो मन का तो बनता इक शिवाला है।

जो पैर धरती पर रहे, आकाश चढ़ गए,
कांटों भरे ज़मीन पे ,पैदल ही बढ़ गए,
ख़ाली थे जिनके हाथ विरासत के नाम पर
मेहनत से अपने भाल पे वो जीत गढ़ गए।

बन्द दिलों के द्वार यहां तो खुलने दो,
प्रेम सुधा से नफ़रत को भी धुलने दो,
मत बांटो तुम रंगों से इस दुनिया को
रंग यहां अब प्रेम के सारे घुलने दो।

खा के ठोकर भी ख़ुद को सँवारा करो ,
मुश्किलों में भी डट कर गुज़ारा करो,
जीत अक्सर मिले, यह ज़रूरी नहीं ,
हार कर भी न हिम्मत, यूँ हारा करो।

,अहम से जो भरोगे तुम, यहाँ पहचान खो दोगे ।
बहेंगे अश्रु आँखों से अधर मुस्कान खो दोगे।
यहाँ नारी सभी पूजित, अमानत हैं धरा की वो
नहीं आदर किए इनकी तो तुम सम्मान खो दोगे।

कविता | लता

पंछी बन जाऊं मैं

मैं भी एक पंछी होती,
अपनी मर्जी से खेल पाती,
मुझे भी होती पूरी आज़ादी,
मैं भी कहीं भी घूम पाती,
अपनी मर्जी से सब खा पाती,
इतना ऊँचा मैं उड़ना चाहती,
किसी की सोच तक पहुँच न पाती,
किताबों के पंछी आसमान में उड़ते,
इतनी ऊंची वो उड़ान भरते कि,
फिर नीचे न किसी को देखते,
करते अपने मन की सौ बार,
फड़ फड़ उड़ जाते हर बार।।

लघुकथा | राजश्री गौड़

हिम्मत सिंह का दर्द

जब से सर्जिकल-स्ट्राइक-2 हुआ है, तमाम देशवासियों की तरह मेरे मुहल्ले के लोग भी बदले व जीत की खुशी से फूले नहीं समा रहे। गली-नुक्कड़ पर सभी नव-उत्साह से भरे प्रधानमंत्री के साहसिक कदम व सीमा के प्रहरी जाँबाजों की भूरि-भूरि प्रशंसा कर रहे हैं।

मेरे पड़ोस में ही रहने वाले हिम्मत सिंह हवलदार ड्युटी पर जाने को निकले तो पड़ोसियों का जमावड़ा देख दुआ-सलाम के साथ ही लगे देश की सुरक्षा सम्बंधी घटनाओं पर अपनी व्यथा उड़ेलने।

'आर्मी और एयरफोर्स तो पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक कर चुकी है, हमें भी तो मौका मिलना चाहिए। हम सिर्फ बापुओं व बाबाओं को पकड़ने के लिए ही हैं।'

'साहब, ये बाबा-बापु भी पकड़ने बहुत जरूरी हैं, जो देश की आधी आबादी व संस्कृति को शहीद करने में लगे हैं।'

हवलदार हिम्मत सिंह का सीना गर्व से फूल गया।

प्रदेश की समृद्ध साहित्यिक विरासत

मंथन | कमलेश शर्मा

हरियाणा की सोंधी मिट्टी में केवल किसान के पसीने की गंध ही नहीं, बल्कि साहित्यकारों की कलम से निकली स्याही की सुगंध भी उतनी ही गहराई से रची-बसी है। सरस्वती नदी के तट पर पल्लवित-पुष्पित हुई यह सभ्यता, जिसे भारतीय संस्कृति का पालना कहा जाता है, सदियों से साहित्य के सृजन और संवर्धन में एक मूक किंतु सशक्त प्रहरी की भूमिका निभाती आ रही है।

हरियाणा के हिंदी साहित्य वटवृक्ष का बीज नाथ साहित्य परंपरा में खोजा जा सकता है। अस्थल बोहर मठ इस परंपरा का वह ध्रुव तारा रहा है, जिसने हिंदी साहित्य को दिशा दिखाई। बाबा मस्तनाथ और विशेष रूप से चौरंगीनाथ, जिन्हें लोकगाथाओं में पूरण भगत के नाम से जाना जाता है, को हिंदी के प्रारंभिक गद्यकारों और कवियों की श्रेणी में शीर्ष स्थान प्राप्त है। उनकी कालजयी रचनाओं, जैसे 'प्राण संकली' में हमें अपभ्रंश और पुरानी हिंदी का वह दुर्लभ संक्रांति-कालीन स्वरूप देखने को मिलता है, जिसने आगे चलकर आधुनिक खड़ी बोली हिंदी की नींव रखी। मध्यकाल में जब संपूर्ण भारतवर्ष भक्ति रस में सराबोर था, तब हरियाणा की पावन धरा भी इस आध्यात्मिक क्रांति से अछूती नहीं रही।

महाकवि सूरदास : फरीदाबाद के सीही गांव की मिट्टी ने हिंदी साहित्य को वह अनमोल रत्न दिया, जिसे दुनिया महाकवि सूरदास के नाम से जानती है। अपनी प्रज्ञाचक्षुओं से सूरदास ने 'सूरसागर' के माध्यम से ब्रजभाषा को जो लालित्य और माधुर्य प्रदान किया, वह अद्वितीय है। उनके वात्सल्य और श्रृंगार वर्णन में मानवीय संवेदनाओं की जो सूक्ष्मता मिलती है, वह विश्व साहित्य में दुर्लभ है।

संत गरीबदास : इसी कालखंड में झज्जर के संत गरीबदास ने निर्गुण भक्ति परंपरा को आगे बढ़ाया। उनकी वाणी में कबीर की वैचारिक परंपरा का विस्तार दिखाई देता है, जिसमें सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार और मानवीय समानता का संदेश स्पष्ट रूप से उभरता है। उनकी भाषा हरियाणवी मिश्रित हिंदी थी, जो सीधे जनसाधारण के हृदय तक पहुंचती थी।

महाकवि संतोख सिंह : इसी वैचारिक श्रृंगार में कैथल के राजकवि महाकवि संतोख सिंह का योगदान भी अविस्मरणीय है, जिन्होंने 'श्री गुरु प्रताप सूरज ग्रंथ' जैसी विशालकाय कृति रचकर ब्रजभाषा को शास्त्रीय ऊंचाइयां प्रदान की। अठारह सौ सत्तावन की महान क्रांति के दौरान यहां का साहित्य दरबारों से निकलकर रणक्षेत्रों में गूंजने लगा। लोककवियों, जिन्हें इतिहास की किताबों में भले ही स्थान न मिला हो, ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ ऐसे ओजस्वी गीत और रागनियां लिखी। आल्हा गायन और वीरगाथाओं ने युवाओं में नए जोश भरने का कार्य किया।

बल्लभगढ़ के राजा नाहर सिंह और झज्जर के नवाब अब्दुर्रहमान खान की शहादत पर रचे गए लोकगीत हरियाणा में बड़े आदर से गाए जाते हैं, जो यह प्रमाणित करते हैं कि इस भूमि पर कलम और तलवार, दोनों ही स्वाधीनता संघर्ष के समान रूप से भागीदार रहे हैं। आधुनिक हिंदी साहित्य के निर्माण में हरियाणा के मनीषियों का योगदान नींव के पत्थर समान है।

बाबू बालमुकुंद गुप्त : रेवाड़ी के गुड़ियानी गांव के सपूत बाबू बालमुकुंद गुप्त को भारतेंदु युग और द्विवेदी युग के बीच की सबसे मजबूत कड़ी माना जाता है। जब देश गुलाम था, तब उन्होंने 'शिवशंभू के चिट्ठे' के माध्यम से तत्कालीन निरंकुश शासकों की सत्ता को अपने व्यंग्य से हिलाकर रख दिया था। उनकी कलम ने भयमुक्त पत्रकारिता के उच्च प्रतिमान स्थापित किए।

पंडित माधव प्रसाद मिश्र : इसी दौर में भिवानी के कुंगड़ गांव के पंडित माधव प्रसाद मिश्र ने हिंदी कहानी को नई दिशा दी। उनकी कहानी 'लड़की की बहादुरी' को हिंदी की प्रारंभिक मौलिक कहानियों में गिना जाता है, जिसने यथार्थवाद की जमीन तैयार की।

तुलसीराम शर्मा 'दिनेश' : भिवानी के ही तुलसीराम शर्मा 'दिनेश' ने 'पुरुषोत्तम' और 'भक्त-भारती' जैसे महाकाव्यों की रचना कर हिंदी प्रबंध काव्य की परंपरा को समृद्ध और गौरवन्वित किया। जहां एक ओर शिष्ट हिंदी साहित्य अपनी ऊंचाइयां छू रहा था, वहीं, दूसरी ओर हरियाणवी लोकभाषा का साहित्य जन-जन की आवाज बन रहा था।

पंडित लखमीचंद : पंडित लखमीचंद को हरियाणवी साहित्य का सूर्य कवि कहा जाता है। उन्होंने 'सांग' विधा को सामान्य मनोरंजन से निकालकर दार्शनिक ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उनके सांगों में वेदों का ज्ञान और लोकजीवन का अनुभव एक साथ मिलता है। उनके समकालीन और शिष्यों ने इस परंपरा को और निखारा। वहीं, पंडित मांगेराम अपनी विलक्षण प्रतिभा, छंदविधान और शिल्पगत अनुशासन के लिए विख्यात हुए। मांगेराम ने रागिनी को एक सुगठित साहित्यिक ढांचा प्रदान किया। उनकी 'कृष्ण-सुदामा' और 'शकुंतला-दुष्यंत' जैसी रचनाएं भाषा की शुद्धता की मिसाल हैं।

हरियाणा का साहित्यिक इतिहास वैदिक ऋचाओं की पवित्रता से लेकर आधुनिक विमर्श तक की एक अनवरत यात्रा है। इसमें नाथ योगियों का वैराग्य है, तो संत कवियों की निश्छल भक्ति भी; इसमें क्रांतिकारियों का ओज है, तो आधुनिक लेखकों की वैचारिक प्रखरता भी।

बाजे भगत : बाजे भगत इस परंपरा में एक समाज सुधारक के रूप में उभरे, जिन्होंने अपनी कविताओं से पाखंड और सामाजिक कुरीतियों पर तीखे वार किए। इनके साथ-साथ अनेक लोककवियों ने इस यज्ञ में अपनी–अपनी आहूतियाँ डाली।

राजाराम शास्त्री : हरियाणवी साहित्य केवल पद्य तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आधुनिक काल में राजाराम शास्त्री ने 'झाड़फिरी' नामक प्रथम हरियाणवी उपन्यास लिखकर गद्य लेखन का श्रीगणेश किया। इस उपन्यास में ग्रामीण हरियाणा के ताने-बाने, अंधविश्वास और रिश्तों की जटिलताओं का जैसा यथार्थवादी चित्रण मिलता है, वह अन्यत्र दुर्लभ है। समग्रतः यह कहा जा सकता है कि हरियाणा का साहित्यिक इतिहास वैदिक ऋचाओं की पवित्रता से लेकर आधुनिक विमर्श तक की एक अनवरत यात्रा है। इसमें नाथ योगियों का वैराग्य है, तो संत कवियों की निश्छल भक्ति भी; इसमें क्रांतिकारियों का ओज है, तो आधुनिक लेखकों की वैचारिक प्रखरता भी। हरियाणा का साहित्य इस वीर भूमि के स्वाभिमान, संघर्ष, सांस्कृतिक चेतना और अदम्य जिजीविषा का जीवंत परिचय कहा जा सकता है।

जज्बातों, कशमकश और यथार्थ का संगम है 'मुनासिब'

पुस्तक : मुनासिब
लेखक : चरणजीत चरण
मूल्य : 200 रुपये
प्रकाशक : अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

पुस्तक समीक्षा | डॉ. विजेंद्र कुमार

साहित्य समाज का दर्पण होता है, लेकिन गज़ल उस दर्पण में पड़ने वाली अक्स की 'रूह' होती है। सुप्रसिद्ध गज़लकार चरणजीत चरण का गज़ल संग्रह 'मुनासिब' इसी रूह की तलाश करता हुआ प्रतीत होता है। इस संग्रह के शेर न केवल पढ़ने वाले को अपनी ओर खींचते हैं, बल्कि वे पाठक के दिल में दबे उन जज्बातों को जुबान देते हैं जो अक्सर खामोश रह जाते हैं। 'मुनासिब' में इश्क़ की टीस भी है, रिश्तों की गरिमा भी, और बदलते समाज पर एक तीखा कटाक्ष भी। चरणजीत की शायरी में प्रेम का वह रूप दिखाई देता है जो फिल्मी नहीं, बल्कि यथार्थवादी है। प्रेम और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच पिसते हुए आम आदमी की दास्तां इस शेर में बखूबी बयां होती है:

दबाकर हाथ मेरा ज़ोर से हंसते हुए बोली
अगर अब वस्ल का सोचेंगे तो घर टूट जाएगा

यहाँ 'घर' और 'वस्ल' (मिलन) के बीच का द्वंद्व पाठक को भीतर तक झकझोर देता है। इसी कशमकश का विस्तार उस शेर में मिलता है जो शायद इस संग्रह का शीर्षक-शेर भी कहा जा सकता है:

न घर जाना मुनासिब था, न मर जाना मुनासिब था
जहां हम थे वहां से बस बिछड़ जाना मुनासिब था

यह शेर बेबसी की उस पराकाष्ठा को छूता है जहां 'बिछड़ना' चुनाव नहीं, बल्कि एकमात्र विकल्प रह जाता है। शायर ने 'मुनासिब' शब्द का प्रयोग जिस नज़ाकत से किया है, वह उनकी भाषाई पकड़ का सबूत है। चरणजीत की गज़लें सिर्फ गम का रोना नहीं रोतीं, बल्कि वे जीने का हौसला भी देती हैं। आज के दौर में जहां हर कोई ज्यादा पाने की होड़ में है, वहाँ शायर 'कम' में गुज़ारा करने की बात कर एक साधुत्व का परिचय देता है:ꝏकौन ख़ुशी का रास्ता देखे ग़म से काम चला लेंगेतुम अपना पूरा कर लो हम कम से काम चला लेंगेꝏयह पंक्ति त्याग और प्रेम में समर्पण की पराकाष्ठा है। 'मुनासिब' संग्रह केवल निजी जज्बातों तक सीमित नहीं है। इसमें समाज की विसंगतियों पर भी चोट की गई है। कुल मिलाकर, यह संग्रह 'मुनासिब' यादों, कसक, नैतिकता और जीवन के छोटे-छोटे पलों का एक खूबसूरत गुलदस्ता है। यह संग्रह साबित करता है कि अच्छी शायरी वह नहीं जो सिर्फ वाह-वाही लूटे, बल्कि वह है जो पाठक को यह महसूस कराए कि यह उसी की कहानी है। निस्संदेह यह संग्रह पाठकों की यादों में लंबे समय तक महकता रहेगा।

खबर संक्षेप

सोनीपत के श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में भगवान महावीर स्वामी की पूजा-अर्चना करते श्रद्धालु।

प्रभु की भक्ति से ही सब संकट हो सकते हैं दूर

सोनीपत। श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, गुड़ मंडी में सिद्धचक्र महामंडल विधान के अवसर पर आचार्य सौरव सागर महाराज ने अपने प्रवचनों ने श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन किया। आचार्य ने बताया कि प्रभु की भक्ति से ही सब संकट दूर हो सकते हैं। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान महावीर स्वामी की पूजा-अर्चना से की गई।

आचार्य ने महासती मैनासुंदरी की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भाग्य पर विश्वास करते हुए महासती ने भगवान की भक्ति कर अपने पति श्रीपाल सहित 700 कुष्ठ रोगियों का रोग दूर किया। मनुष्य यदि अच्छे कर्म करें, प्रभु पर विश्वास करें, तो कोई भी कार्य संभव नहीं है। सिद्धचक्र महामंडल विधान में संत शिरोमणि आचार्य 108 विद्यासागर महाराज के शिष्य बाल ब्रह्मचारी संजीव ने बताया कि मनुष्य को सदैव पूर्व भक्ति लीन रहना चाहिए, जिससे कि उनका यह भव व अगला भव सुधर सके। कार्यक्रम में एसके जैन, मनोज, राजीव, मुकेश, राजेश, टोनी, योगेश, विनीत, पुनीत, निशा, शशि, मधु, रीना, प्रेरणा, जगदीश, जयकुमार मौजूद रहे।

सोनीपत स्टेशन पर प्लेटफार्म नंबर एक की बढ़ाई जाएगी स्टैंडर्ड हाइट

होली के बाद रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को एयरपोर्ट की तर्ज पर मिलेंगी सुविधाएं

- *कार्यों को मार्च 2026 तक पूरा करवाने का रखा लक्ष्य*
- *स्टेशन पर संस्कृति से रूबरू कराएंगे पर्यटन स्थलों के बोर्ड*

रविंद्र ठाकुर ▶▶| सोनीपत

सोनीपत स्टेशन से रोजाना दिल्ली-अंबाला रूट पर करीब 40 हजार यात्री आवागमन करते हैं। एक दशक में रेल यात्रियों की संख्या में करीब 40 फीसदी तक इजाफा हुआ है, यात्रियों की सुविधा के लिए किए जा रहे है सौंदर्यीकरण के कई कार्य

सोनीपत स्टेशन पर यात्रियों को एयरपोर्ट की तर्ज पर सुविधाएं मुहैया करवाने के उद्देश्य से विभिन्न विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। स्टेशन पर जल्द प्लेटफार्म नंबर 1 को ऊंचा करने के लिए स्टैंडर्ड हाइट बढ़ाई जाएगी, ताकि यात्रियों को ट्रेनों में सवार होने व उतरने में सुविधा मिल सके। उक्त प्लेटफार्म को 2 व 4 के बराबर ऊंचा किया जाएगा। रेलवे ने नए साल में मार्च 2026 में होली के बाद सोनीपत स्टेशन पर यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं मुहैया करवाने का लक्ष्य रखा है। पहले प्रथम चरण के कार्यों को नवंबर माह तक पूरा किया जाना था, लेकिन अधूरे कार्यों के चलते रेलवे ने निर्माण कार्यों की अवधि को बढ़ा दिया गया है।

अमृत भारत स्टेशन परियोजना के तहत सोनीपत स्टेशन पर प्रथम चरण में 29 करोड़ रुपये से नवीनीकरण के कार्य जारी हैं, इन्हें पूरा करने के लिए मार्च 2026 का लक्ष्य रखा गया है। रेलवे स्टेशन पर आवागमन करने वाले यात्रियों के लिए नया साल आधुनिक सुविधाओं की सौगात भरा रहेगा। योजना के तहत स्टेशन पर यात्रियों व कर्मचारियों के लिए भवन पुनर्निर्माण के साथ एक और फुट ओवरब्रिज बनवाने के साथ स्वचालित सीढ़ियां व लिफ्ट लगवाने का कार्य किया जाएगा। दिल्ली के मंगोलपुरी की सफेद जालीदार शीट प्रवेश द्वार का सुंदरीकरण बढ़ावा देगी।

सोनीपत स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1 पर ट्रेन का इंतजार करते यात्री।

यात्रियों की संख्या में इजाफा

अमृत भारत स्टेशन परियोजना के तहत सोनीपत स्टेशन पर यात्रियों की सुविधाओं के लिए 85 फीसदी कार्य पूरे कर लिए गए हैं। फिलहाल एक और फुट ओवरब्रिज, भवन निर्माण का कार्य अंतिम चरण में है, पार्किंग विस्तार, वर्टिकल गार्डन निर्माण के कार्य जारी हैं। इसके बाद प्लेटफार्म नंबर 1 को ऊंचाई बढ़वाई जाएगी। रेलवे ने मार्च 2026 तक सभी कार्यों को पूरा करवाने का लक्ष्य रखा है। प्रयास है कि यात्रियों को जल्द आधुनिक सुविधाएं मुहैया कराई जाएं। **-पुष्पेश रमण त्रिपाठी, रेल प्रबंधक (डीआरएम), दिल्ली मंडल**

पीएम व रेल मंत्री ने 2023 में रखी थी आधारशिला

सोनीपत स्टेशन पर वर्ष 2023 में प्लेटफार्म नंबर एक पर स्वचालित सीढ़ियां लगाकर नवीनीकरण कार्य की शुरुआत की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ 6 अगस्त, 2023 को वर्चुअल माध्यम से सोनीपत स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला रखी थी। रेलवे स्टेशन पर जल्द हाईटेक सुविधाएं मिलने से यात्रियों को काफी सहूलियत होगी। रेलवे स्टेशन पर प्रथम चरण के करीब 85 फीसदी कार्य पूरा कर लिया गया है।

भवन व पार्किंग विस्तार के कार्य ने पकड़ी रफ्तार

मॉडल स्टेशन का दर्जा प्राप्त कर चुके सोनीपत स्टेशन पर 600 वर्ग मीटर में बन रहे 45 फीट चौड़े भवन में एक साथ 450 यात्रियों के एकत्रित होने की व्यवस्था रहेगी। साथ ही मुख्य द्वार पर वर्टिकल गार्डन व पार्किंग विस्तार का कार्य तेजी से किया जा रहा है। यात्रियों को आधुनिक 12 फीट चौड़े फुट ओवरब्रिज की सौगात भी मिलेगी। आरपीएफ थाना के पास 12 मीटर चौड़े फुट ओवरब्रिज के निर्माण पर 4.50 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। फुट ओवरब्रिज का निर्माण जालंधर की कंपनी से करवाया जा रहा है।

स्टेशन की शोभा बढ़ाएंगी यह व्यवस्थाएं

सोनीपत स्टेशन पर व्यावसायिक केंद्र, फूड प्लाजा, प्रतीक्षालय, सुविधाजनक बुकिंग कार्यालय, बड़ा प्रतीक्षालय हॉल, ऑटोमेटिक लाइट सिस्टम, आधुनिक शेड, दिव्यांग लोगों की सुविधा के लिए प्रवेशद्वार पर रैंप, रेलवे मेल सर्विस कार्यालय, फुट ओवरब्रिज जैसी सुविधाओं पर कार्य चल रहा है। इनके अलावा सभी प्लेटफार्म पर प्लेटफार्म पर लिफ्ट, पांच स्वचालित सीढ़ियां, जल बूथ, आधुनिक शौचालय का होगा निर्माण। दैनिक यात्री कई वर्ष से स्टेशन परिसर में खासकर बुजुर्गों व यात्रियों की सुविधा के लिए लिफ्ट लगवाने की मांग करते आ रहे थे। यात्रियों की मांग पूरी होने पर रेलवे स्टेशन पर पहुंचने वाले बुजुर्गों, दिव्यांगों को सीढ़ियों के झंझट से मिलेगी राहत।

खरखौदा। ग्रामीणों को संबोधित करते आचार्य प्रदीप।

युवाओं को नशे से बचाना सबकी जिम्मेदारी : प्रदीप आर्य

खरखौदा। नशा मुक्त अभियान के तहत गुरुकुल बरोणा द्वारा गांव रोहणा में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसका मुख्य विषय नौजवानों को नशे की बुराइयों के बारे में विस्तार से जानकारी देकर नशे से दूर रखना था। सबसे अधिक युवा पीढ़ी नशे से प्रभावित हो रही है। नशे के कारण युवा अपने सपनों को साकार नहीं कर पा रहे है ।आचार्य प्रदीप ने कहा किसी भी देश की उन्नति में सबसे बड़े सहायक देश के नौजवान ही होते हैं लेकिन आज हमारे युवा, नौजवान नशे की दलदल में फंसकर अपने जीवन को पतन की ओर लेकर जा रहे हैं । आज हम सभी की जिम्मेदारी बनती है कि हम सभी अपने बच्चों और युवाओं को नशे की दलदल में जाने से बचाकर उन्हें सही मार्ग में चलने के लिए प्रेरित करें। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी बच्चों नौजवानों युवाओं ने नशे से दूर रहने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मनीष आर्य, नवीन, बस्तीराम, जयसिंह, रोहतास सुरेश, मोहित सहित अनेक ग्रामवासी मौजूद रहे।

विधानसभा स्पीकर ने किया एनर्जी प्लांट का दौरा

- अपशिष्ट से ऊर्जा उत्पादन की प्रक्रिया व पर्यावरण संरक्षण पर सरकार दे रही है बल : कृष्णा गहलावत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

हरियाणा विधानसभा के स्पीकर हरविंदर कल्याण ने रविवार को मलिकपुर गांव में स्थापित जेबीएम ग्रुप के सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट एवं एनर्जी प्लांट का दौरा किया। उन्होंने प्लांट की संपूर्ण कार्यप्रणाली, तकनीकी ढांचे तथा ठोस कचरे से ऊर्जा उत्पादन की आधुनिक प्रक्रिया का गहन निरीक्षण किया। दौरे के दौरान स्पीकर हरविंदर कल्याण को प्लांट प्रबंधन द्वारा कचरे के संग्रहण, पृथक्करण, प्रसंस्करण तथा उससे ऊर्जा और अन्य उपयोगी संसाधन तैयार करने की प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने प्लांट में अपनाए जा रहे पर्यावरण अनुकूल उपायों, प्रदूषण नियंत्रण मानकों, सुरक्षा व्यवस्थाओं तथा तकनीकी नवाचारों का भी जायजा लिया। विधानसभा स्पीकर ने कहा कि सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है। बढ़ती जनसंख्या और शहरीकरण के कारण कचरे की समस्या गंभीर होती जा रही है, ऐसे में कचरे से ऊर्जा उत्पादन जैसे प्रोजेक्ट न केवल स्वच्छता को बढ़ावा देते हैं बल्कि पर्यावरण संरक्षण और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी मील का पत्थर साबित हो रहे हैं।

राई। विधानसभा के स्पीकर हरविंदर कल्याण जेबीएम ग्रुप के अधिकारियों से बातचीत करते साथ में विधायक कृष्णा गहलावत व नगर निगम मेयर राजीव जैन।

युवाओं को मिल रहा तकनीकी प्रशिक्षण

विधानसभाध्यक्ष ने कहा कि उनका प्रयास है कि ऐसा प्लांट करनाल में भी स्थापित किया जाए, ताकि वहां भी सॉलिड वेस्ट से बिजली बनाई जा सके। उन्होंने कहा कि जेबीएम का यह प्लांट न केवल कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण का बेहतरीन उदाहरण है, बल्कि इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे प्रोजेक्ट्स से स्थानीय युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण और रोजगार मिल रहा है, जिससे क्षेत्र के आर्थिक विकास को भी बल मिलता है। विधायक कृष्णा गहलावत ने कहा कि निजी क्षेत्र और सरकार के आपसी सहयोग से ही इस तरह की प्रभावी योजनाओं को धरातल पर उतारा जा सकता है। हरियाणा सरकार द्वारा भी ऐसे प्रोजेक्ट्स को और अधिक प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

चिरस्मी में चौथी कबड्डी प्रतियोगिता, विधायक कादियान ने विजेताओं को किया सम्मानित

- गांव में बतौर मुख्यातिथि विधायक कादियान को आयोजकों ने लड्डूओं से तोला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गांव चिरस्मी के सरकारी स्कूल ग्राउंड में दादा नौगजा कबड्डी क्लब की ओर से एक दिवसीय चौथी कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में गन्नौर सहित दूर-दराज के क्षेत्रों से लड़के-लड़की की टीमें पहुंची। 36 केजी वर्ग में 21 टीमें और 50 केजी वर्ग में करीब 23 टीमों ने भाग लिया। ठंड के बावजूद खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए जीत के लिए जमकर पसीना बहाया। मुकाबलों के दौरान दर्शकों ने तालियां बजाकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। देर शाम तक चले मुकाबले रोमांचक रहे। प्रतियोगिता में बतौर मुख्यातिथि हलका विधायक देवेंद्र कादियान पहुंचे। उन्होंने खिलाड़ियों का परिचय कर प्रतियोगिता का शुभारंभ कराया और विजेता टीमों को नकद इनाम देकर सम्मानित किया। विधायक कादियान ने कहा कि ग्रामीण स्तर पर इस तरह की खेल स्पर्धाएं युवाओं की प्रतिभा को निखारने के साथ उन्हें अनुशासन और स्वस्थ जीवनशैली की ओर प्रेरित करती है। इससे पहले आयोजकों ने विधायक का फूलमाला स्वागत कर उन्हें लड्डूओं से तोला गया। और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में प्रवक्ता जगबीर देशवाल, रोहताश छिक्कारा, धर्मबीर , पालेराम, जितेंद्र, आकाश गुर्जर, प्रवीन छिक्कारा सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।

गन्नौर। विधायक देवेंद्र कादियान प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों के परिचय से रूबरू होते हुए। फोटो : हरिभूमि

सांसद सतपाल ब्रह्मचारी गांव की गोशाला को एक ट्रैक्टर भेंट करते हुए।

खेड़ी गुर्जर पहुंचे सांसद, गोशाला को ट्रैक्टर भेंट किया

गन्नौर । गन्नौर क्षेत्र के गांव खेड़ी गुर्जर में सोनीपत सांसद सतपाल ब्रह्मचारी ने पहुंचकर सांसद निधि से गांव की गौशाला को एक ट्रैक्टर भेंट किया, ताकि गौशाला की दिनचर्या से जुड़े कार्यों को सुचारु रूप से किया जा सके। साथ ही उन्होंने गौशाला के लिए ट्रॉली देने का भी आश्वासन दिया। गौशाला समिति द्वारा चारे के भंडारण की मांग रखी गई, जिस पर सांसद ने तुरंत संज्ञान लेते हुए 40×50 फीट का बड़ा शेड लगाने की घोषणा की, जिससे गौशाला में चारे का सुरक्षित भंडारण संभव हो सकेगा। इसके अलावा गांव की हरिजन चौपाल के मरम्मत कार्य का मुद्दा भी सामने आया। सांसद ने मौके पर ही कार्यालय में फोन कर जानकारी ली, जहां से बताया गया कि ग्रांट मंजूर हो चुकी है और जल्द ही मुरम्मत कार्य शुरू होगा। साथ ही उन्होंने सतखुभा धाम में दर्शन कर ब्राह्मण चौपाल निर्माण को लेकर भी सकारात्मक संकेत दिए।

आज से प्रारंभ होंगे माघ माह के गुप्त नवरात्र, विधि-विधान से पूजा करने से मिलेगा पुण्य

अराधना से मां दुर्गा के नौ स्वरूपों से मिलेंगी अपार शक्तियां

- सिद्धियां प्राप्त करने के लिए सिद्ध माने जाते हैं माघ गुप्त नवरात्र, सुखद सौभाग्य का मिलता है फल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

नवरात्र का पर्व शक्ति की उपासना का पर्व है। वर्ष में चार बार नवरात्र का पर्व मनाया जाता है, इनमें एक चैत्र नवरात्र, दूसरा शारदीय नवरात्र व दो गुप्त नवरात्र आते हैं। पंचांग के अनुसार पहली गुप्त नवरात्रि माघ मास में और दूसरी आषाढ़ मास में पड़ती है। माघ माह के गुप्त नवरात्र का शुभारंभ 19 जनवरी से हो रहा है, समापन 27 जनवरी को होगा। नौ दिनों तक चलने वाले इस पर्व में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना व साधना करने से अपार शक्तियों की प्राप्ति होती है, सुखद सौभाग्य का फल मिलता है। पंडित अमित शौनक ने बताया कि गुप्त नवरात्र के दौरान मां दुर्गा के नौ स्वरूपों के अलावा मां भगवती दुर्गा के दस महाविद्याओं की पूजा की जाती है। माघ मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नवमी तक गुप्त नवरात्र मनाए जाएंगे। इस गुप्त नवरात्र की शुरुआत जहां सर्वार्थ सिद्धि योग के महासंयोग में होगी, तो समापन के दिन 27 जनवरी को भी सर्वार्थ सिद्धि व रवि योग रहेगा। खास बात यह है कि इन नौ दिनों में मांगलिक कार्यों का किया जाना शुभ व फलदायी रहेगा, जो शुक्र अस्त होने के कारण नहीं हो पा रहे हैं। इन नौ दिनों में किए मांगलिक कार्य भी रहेंगे। इन नौ दिन में 10 महाविद्याओं मां काली, तारा, त्रिपुर सुंदरी, भुवनेश्वरी, छिन्नमस्ता, त्रिपुर भैरवी, धूमावती, बगलामुखी, मातंगी व कमला की गुप्त रूप से पूजा की जाएगी।

मकर राशि के चंद्रमा की साक्षी में आरंभ होंगे नवरात्र

पंडित अमित शौनक ने बताया कि गुप्त नवरात्र माघ माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से नवमी तक चलती है। श्रद्धालु नौ दिन तक मां दुर्गा की गुप्त तरीके से शक्ति साधना करते हैं। गुप्त नवरात्र को गुप्त साधना व विद्याओं की सिद्धि के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। पंचांग के अनुसार 19 जनवरी सोमवार को प्रतिपदा तिथि पर उत्तराषाढ़ा नक्षत्र, वज्र योग व मकर राशि के चंद्रमा की साक्षी में गुप्त नवरात्र का आरंभ होगा। मध्यान काल में शुभ अभिजीत के समय सर्वार्थ सिद्धि योग का संयोग रहेगा। सर्वार्थ सिद्धि योग प्रत्येक शुभ कार्य के लिए शुभ रहेगा। इस योग में किए गए मांगलिक कार्यों के मनोरथ पूर्ण करते हैं।

यह रहेगा मुहूर्त

- प्रतिपदा तिथि प्रारंभ : 19 जनवरी अलसुबह 01:21 बजे।
- प्रतिपदा तिथि समापन : 20 जनवरी अलसुबह 02:14 बजे।
- उदयातिथि अनुसार : माघ गुप्त नवरात्र प्रारंभ 19 जनवरी।
- घटस्थापना (कलश स्थापना) : सुबह 7:14 से 10:46 बजे तक।
- घटस्थापना अभिजीत मुहूर्त : दोपहर 12:11 से 12:53 बजे तक।
- नवरात्र में इस प्रकार रहेंगे योग
- 19 जनवरी : कुमार योग, सर्वार्थ सिद्धि योग।
- 20 जनवरी : द्विपुष्कर योग, राजयोग।
- 21 जनवरी : राजयोग, रवि योग।
- 22 जनवरी : रवि योग।
- 23 जनवरी : कुमार योग, रवि योग।
- 24 जनवरी : रवि योग।
- 25 जनवरी : रवि योग, सर्वार्थ सिद्धि योग।
- 26 जनवरी : मां महागौरी अष्टमी।
- 27 जनवरी : सर्वार्थ सिद्धि योग।

न्यूज डायरी

सोनीपत। प्रतिभागी विद्यार्थियों के साथ विद्यालय का स्टाफ। *फोटो : हरिभूमि*

ऋषिकुल एकेडमी में हुआ जीनियसक्वेस्ट मॉक टेस्ट

सोनीपत। ऋषिकुल वर्ल्ड एकेडमी, देवड़ रोड में रविवार को बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए जीनियसक्वेस्ट अभ्यास परीक्षा का सफल आयोजन किया गया। यह मॉक टेस्ट कक्षा 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य छात्रों को बोर्ड परीक्षा के वास्तविक वातावरण से परिचित कराना और उनकी तैयारी को और मजबूत बनाना रहा। प्रतियोगिता का संदेश परफेक्ट प्रैक्टिस मेक्स परफेक्ट स्कोर रहा। इस अभ्यास परीक्षा में लगभग 750 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जीनियसक्वेस्ट मॉक टेस्ट के माध्यम से विद्यार्थियों को परीक्षा कौशल विकसित करने, बोर्ड परीक्षा के भय को दूर करने, आत्मविश्वास बढ़ाने, प्रश्न हल करने की गति और शैली में सुधार तथा एकाग्रता बढ़ाने में विशेष सहायता मिली। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

सोनीपत के ककरोई रोड पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता को स्मृति चिह्न प्रदान करते दी आंबेडकर एजुकेशनल सोसायटी के सदस्य। **फोटो : हरिभूमि**

सीयूईटी-यूजी की परीक्षा की रूपरेखा बताई

सोनीपत। दी आंबेडकर एजुकेशनल सोसायटी के तत्वावधान में ककरोई रोड पर सीयूईटी-यूजी 2026 से संबंधित सेमिनार एवं काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को सीयूईटी-यूजी परीक्षा की नवीनतम रूपरेखा, पाठ्यक्रम, तैयारी की रणनीति, आवेदन प्रक्रिया व विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालयों में प्रवेश की संभावनाओं से अवगत कराना रहा। कार्यक्रम का संचालन सचिव रविंद्र भाटिया ने किया। विशेषज्ञ वक्ताओं के रूप में दिल्ली यूनिवर्सिटी के अदिति कॉलेज से प्रोफेसर डॉ. सुनीता, डॉ. अजय कुमार ने सीयूईटी-यूजी 2026 परीक्षा पैटर्न, विषय चयन, समय प्रबंधन एवं सफलता के लिए आवश्यक मार्गदर्शन पर प्रकाश डाला। काउंसलिंग सत्र के दौरान विद्यार्थियों की व्यक्तिगत शंकाओं का समाधान किया गया। उन्हें कॅरिअर चयन से संबंधित महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए।

सोनीपत के श्री सनातन धर्म सभा मंदिर, गीता भवन में सुंदरकांड पाठ करते श्रद्धालु।

हरिनाम संकीर्तन कर सुनाई श्रीराम कथा

सोनीपत। श्री राम परिवार, सोनीपत संस्था की ओर से श्री सनातन धर्म सभा मंदिर, गीता भवन में सुंदरकांड पाठ, हरिनाम संकीर्तन एवं श्रीराम कथा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुंदरकांड पाठ से की गई।

कथा के दौरान संस्था के प्रमुख ओमप्रकाश अरोड़ा ने बताया कि श्री रामचरितमानस के बालकांड में आता है, जब राम के शिवधनुष तोड़ने पर क्रोधित होकर परशुराम जनकपुर पहुंचते हैं। तब लक्ष्मण अपने कटु व व्यंग्यात्मक वचनों से परशुराम का क्रोध बढ़ा देते हैं। परशुराम धनुष तोड़ने वाले को मारने की धमकी देते हैं, जबकि लक्ष्मण विनम्रता व व्यंग्य का मिश्रण कर उन्हें शांत करने का प्रयास करते हैं। यह संवाद धर्म, मर्यादा, विनम्रता व शक्ति के प्रदर्शन का एक महत्वपूर्ण प्रसंग है। कार्यक्रम के समापन पर आरती कर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में पवन सहगल, श्याम रहेजा, सूरजकांत, महेश पांडे, मुकेश, बबीता, दिनेश आदि रहे।

सोनीपत के ब्राइट स्कॉलर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित कार्यशाला के समापन पर मौजूद प्रतिभागी शिक्षक। **फोटो : हरिभूमि**

अंग्रेजी क्षमता निर्माण पर हुई कार्यशाला

सोनीपत। ब्राइट स्कॉलर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित दो दिवसीय भाषा एवं साहित्य विषय पर अंग्रेजी क्षमता निर्माण कार्यशाला का रविवार को समापन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों की अंग्रेजी पाठ्यक्रम, क्षमता आधारित शिक्षा व सुनने, बोलने, पढ़ने और लिखने स्किल्स के प्रभावी एकीकरण के बारे में समझ को मजबूत करना रहा। कार्यशाला को रिसोर्सपर्सन एवं प्राचार्य डॉ. किरण दलाल व सोफिया कॉन्वेंट स्कूल की प्राचार्य सत्य चौधरी ने मिलकर संचालित किया। उन्होंने शिक्षकों को पाठ्यक्रम की व्याख्या, लर्नर-केंद्रित पेडागोजी व नई शिक्षा नीति 2020, सीबीएसई गाइडलाइंस के अनुसार क्षमता आधारित पाठ्यक्रम योजना पर जानकारी दी। ब्लूम्स टैक्सोनॉमी का इस्तेमाल करके शिक्षा योजना तैयार करने पर खास जोर दिया गया।

गन्नौर। पाइपलाइन बिछाने के बाद गली की मरम्मत नहीं किए जाने से रास्ते में पसरी कीचड़। **फोटो : हरिभूमि**

गढी केसरी में पाइपलाइन दबाने के बाद गली बनीं तालाब

गन्नौर। गढी केसरी गांव में गऊशाला वाली गली में पानी की पाइपलाइन बिछाने के बाद पेयजल आपूर्ति लाइन से पानी भरने व गली की मरम्मत नहीं किए जाने से पूरी गली गड्ढों में तब्दील हो गई है, जिनमें लगातार पानी भरा हुआ है। स्थिति यह है कि गली के निवासी घरों से बाहर निकलने में भी असमर्थ हैं। गली में भरे पानी के कारण किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। गौशाला के प्रधान सतपाल शर्मा,सतबीर, महेंद्र, रणबीर ने बतायाकी कुछ समय पहले विभाग द्वारा पानी की पाइपलाइन दबाई गई थी, लेकिन काम पूरा होने के बाद सड़क को पहले जैसी हालत में नहीं बनाया गया। गड्ढों में पानी जमा होने से गली तालाब का रूप ले चुकी है। बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए यह रास्ता जानलेवा बन गया है। गऊशाला प्रधान सतपाल शर्मा ने बताया कि उन्होंने इस समस्या को लेकर कई बार संबंधित विभाग और पंचायत को अवगत कराया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। केवल आश्वासन देकर मामला टाल दिया जाता है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि गली में भरे पानी की तुरंत निकासी कराई जाए और पाइपलाइन डालने के बाद गली की पक्की मरम्मत कराई जाए।

खबर संक्षेप

पदोन्नत नहीं होने पर ग्रुप डी कर्मियों में नाराजगी

गोहाना। प्रदेश में विभिन्न सरकारी विभागों में लिपिकों के लगभग 6,246 पद लंबे समय से रिक्त हैं। इस पद पर गुरप-डी के कर्मियों की पदोन्नति नहीं की जा रही है, जिससे उनमें नाराजगी है। ग्रुप-डी संघर्ष समिति के अध्यक्ष सत्यवान सहरावत ने कहा कि लिपिक के पद खाली होने से विभागों में कार्यरत कर्मचारियों पर काम का दबाव अधिक है, जिससे कार्यक्षमता प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि ग्रुप-डी के अनेक कर्मचारी उच्च योग्यता और लंबे अनुभव के बावजूद पदोन्नति से वंचित हैं।

स्कॉलरशिप एवं ड्राइंग स्पर्धा में दिखाई प्रतिभा

सोनीपत। सरस्वती शिक्षा संस्थान सीनियर सेकेंडरी स्कूल (एस-7) में रविवार को स्कॉलरशिप एवं ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में पीपी वन से कक्षा दसवीं तक के छात्रों ने भाग लिया। कुल 507 छात्रों ने ड्राइंग स्कॉलरशिप प्रतियोगिता में भाग लेकर अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित किया। स्कूल प्रबंधक सुखप्रिय शास्त्री, निदेशक दीपक, प्राचार्य डॉ. अंकुर रोहिल्ला ने प्रतियोगिता का निरीक्षण किया।

विभिन्न किस्मों के 24 पौधों का किया रोपण

गोहाना। रविवार को समाज कल्याण संगठन ने अपने साप्ताहिक अभियान में पापडी, कदम, जामुन और अर्जुन के 24 पौधे रोपे। संगठन ने नवरोपित पौधों को ट्री गार्डों में सुरक्षित किय ागया। नए पौधे रोपने के साथ संगठन द्वारा पुराने पौधों की भी देखभाल की गई जिसमें 2 पौधे सूखे हुए मिले। संगठन के सदस्यों ने सूखे पौधों के स्थान पर दो नए पौधे रोपे। संगठन द्वारा पिछले करीब डेढ़ दशक से गोहाना को ग्रीन सिटी बनाने के लिए गोद ले रखा है। इस अभियान के तहत संगठन द्वारा शहर में सार्वजनिक स्थलों व सड़कों के किनारे खाली जगह में पौधरोपण किया जाता है।

विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने 23 को बसंत पंचमी पर अवकाश के चलते लिया निर्णय

कक्षा 10वीं व 12वीं की प्री बोर्ड परीक्षाओं की तिथियों में बदलाव

निदेशालय ने जिला शिक्षा अधिकारियों को आदेश, सभी विद्यालय मुखियाओं के माध्यम से विद्यार्थियों के साथ साझा करने के दिए निर्देश

- *23 जनवरी को कक्षा 10वीं की होने वाली हिंदी विषय की परीक्षा अब 31 जनवरी को ली जाएगी। इसके अलावा इसी दिन निर्धारित कक्षा 12वीं की विभिन्न विषयों पर परीक्षा अब 5 फरवरी को करवाने के निर्देश दिए गए*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

विद्यालय शिक्षा निदेशालय की ओर से बोर्ड की कक्षा 10वीं व 12वीं की प्री-बोर्ड की परीक्षाओं को लेकर तिथियों में बदलाव किया गया है। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी को भी पत्र जारी किया गया है, ताकि वह संबंधित सूचना से सभी विद्यालय मुखियाओं के माध्यम से विद्यार्थियों के साथ यह जानकारी साझा कर सकें। निदेशालय की ओर से यह निर्णय 23 जनवरी को बसंत पंचमी पर होने वाले अवकाश के चलते लिया गया है। शिक्षा अधिकारियों ने बताया कि निदेशालय की ओर से प्री-बोर्ड की परीक्षाओं को लेकर जारी संशोधित शेड्यूल में कक्षा 10वीं व 12वीं की विभिन्न परीक्षा तिथियों में बदलाव किया गया है। जारी शेड्यूल के अनुसार 23 जनवरी को कक्षा 10वीं की होने वाली हिंदी विषय की परीक्षा अब 31 जनवरी को ली जाएगी। इसके अलावा इसी दिन निर्धारित कक्षा 12वीं की गणित, जीव विज्ञान, राजनीतिक विज्ञान, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन विषय की परीक्षा अब 5 फरवरी को करवाने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं शिक्षकों का मानना है कि शेड्यूल में किए गए बदलाव से विद्यार्थियों को परीक्षा को लेकर अच्छे से तैयारी करने का अतिरिक्त समय मिल सकेगा।

सोनीपत। सोनीपत के सेक्टर-14 स्थित जिला शिक्षा विभाग का कार्यालय।

विद्यार्थियों को तैयारी का मिलेगा समय

विद्यालय शिक्षा निदेशालय की ओर से कक्षा 10वीं व 12वीं की चल रही प्री-बोर्ड की परीक्षाओं के शेड्यूल में बदलाव किया गया है। यह निर्णय 23 जनवरी को होने वाले बसंत पंचमी अवकाश के चलते लिया गया है। परीक्षाओं की तिथि आगे बढ़ने से विद्यार्थियों को तैयारी के लिए और समय मिल सकेगा। वहीं शीतकालीन अवकाश के बाद सोमवार से सभी स्कूलों का नियमित रूप से संचालन किया जाएगा। विद्यार्थियों अपनी आगामी परीक्षाओं को लेकर पाठ्यक्रम की तैयारी कर सकेंगे।

-नवीन गुलिया, जिला शिक्षा अधिकारी, सोनीपत

शीतकालीन अवकाश के बाद आज लौटेगी स्कूलों में रौनक

जिलाभर के राजकीय व निजी विद्यालयों में 1 दिसंबर से चल रहे शीतकालीन अवकाश के बाद 19 जनवरी को स्कूलों में दोबारा विद्यार्थियों की रौनक लौटेगी। सोमवार से सभी स्कूल दोबारा खुलने के बाद शिक्षक विद्यार्थियों को आगामी पाठ्यक्रम की तैयारी करवाएंगे। इससे पहले विद्यालय शिक्षा निदेशालय की ओर से बढ़ती सर्दी व कोहरे के चलते सभी स्कूलों में 15 जनवरी तक शीतकालीन अवकाश की घोषणा की गई थी। इसके बाद दोबारा कड़ाके की ठंड के चलते अवकाश की अवधि को बढ़ाकर 18 जनवरी तक कर दिया गया था। अब सोमवार से दोबारा सभी स्कूलों में रौनक लौटने से विद्यार्थियों की आगामी पढ़ाई शुरू हो सकेगी।

जठेड़ी गांव को विकास की बड़ी सौगात : करोड़ों की योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास

ग्रामीणों को शहरों जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराना लक्ष्य : गहलावत

राई। गांव जठेड़ी में विधायक कृष्णा गहलावत श्मशान घाट के नवीनीकरण का उद्घाटन करते साथ में सरपंच योगेश जठेड़ी व अन्य।

- मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली उपस्थित रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

गांव जठेड़ी स्थित सरकारी स्कूल परिसर में रविवार को विकास कार्यों को गति देने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राई विधानसभा क्षेत्र की विधायक कृष्णा गहलावत ने ग्रामीणों को करोड़ों रुपये की विकास योजनाओं की सौगात दी। इस अवसर पर आंगनवाड़ी केंद्रों, शिव मुक्ति धाम के नवीनीकरण, सब-हेल्थ सेंटर, जिम हॉल और योग भवन से जुड़े कार्यों का उद्घाटन व शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता गांव के सरपंच योगेश जठेड़ी ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली उपस्थित रहे।

इन जगहों पर रखी विकास कार्यों की आधारशिला

कार्यक्रम में गांव के दो आंगनवाड़ी केंद्रों के लिए लगभग 30 लाख रुपये, शिव मुक्ति धाम के नवीनीकरण, सब-हेल्थ सेंटर के शिलान्यास, करीब 95 लाख रुपये की लागत से जिम हॉल, 37 लाख रुपये से योग भवन तथा अन्य विकास कार्यों की आधारशिला रखी गई। इस मौके पर जिलाध्यक्ष अशोक भारद्वाज, वेदपाल शास्त्री (मंडल अध्यक्ष नाहरी), शेश्वर आंतिल (जाखौली), विकास कौशिक (मुरथल), शिमला देवी (चेयरमैन कुंडली), कुलदीप नांगल (पूर्व चेयरमैन), जेपी रेवली, सत्यनारायण आंतिल, अंजली बजाज, विनोद बैरागी, इंद्र चौहान, नरेंद्र भारती, जय राम शर्मा, अमित दहिया, सुरेंद्र सिंह, भा. श्री ओम, देवेंद्र, दिलबाग राज, प्रधान सुंदर, रघुबीर सहित अनेक पंच, ब्लॉक समिति सदस्य, कुंडली पार्षद आदि मौजूद रहे।

भाखरपुर में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार जारी रहेगा : कादियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

- ग्रामीणों ने गांव में महाराणा प्रताप की प्रतिमा लगवाने और गन्नौर में धर्मशाला की रखी डिमांड

भाखरपुर गांव के खेल स्टेडियम में रविवार को राजपूत सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत कलश यात्रा के साथ हुई, इसके बाद हवन-यज्ञ कराया गया। सम्मेलन में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली और गन्नौर विधायक देवेंद्र कादियान मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। कार्यक्रम में दोनों नेताओं का फूलमाला व पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया। सम्मेलन में समाज की एकता व विकास को लेकर अपने विचार रखे। इस दौरान समाज के लोगों ने गांव में चौक पर महाराणा प्रताप की प्रतिमा लगाने और गन्नौर में राजपूत समाज की धर्मशाला निर्माण की मांग रखी, जिस पर अतिथियों ने सहयोग का आश्वासन दिया। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने कहा कि समाज की मजबूती संगठन और शिक्षा से आती है। विधायक देवेंद्र कादियान ने कहा कि भाखरपुर गांव में विकास कार्यों की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। इस अवसर पर सरपंच राजेंद्र राठौर, खेमचंद, श्रीचंद, भगत, अजय सरपंच, रवि राणा, रवि भट्टी, सतपाल, दीपक, सुधीर, गंगाराम, प्रहलाद चौहान, रजत सिंह भट्टी, अजित सिंह, महेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

गन्नौर। राजपूत सम्मेलन को संबोधित करते हुए विधायक देवेंद्र कादियान।

विनोद दहिया बने हिन्दू सम्मेलन आयोजन समिति के संयोजक

खरखौदा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ साल पूरे होने एवं जातीय भेदभाव खत्म कर हिन्दू समाज को एकजुट करने के उद्देश्य से खरखौदा में हिन्दू सम्मेलन आयोजित किया जाना प्रस्तावित है। थाना कलां मार्ग स्थित जागृति स्थल पर आयोजित किए जाने वाले सम्मेलन की रूपरेखा तैयार करने के लिए रविवार को जयनारायण धर्मशाला में डॉ अनिल दहिया के नेतृत्व में बैठक की गई, जिसमें प्रस्तावित सम्मेलन को सफल बनाने के दृष्टिगत आयोजन समिति का गठन किया गया। क्षेत्र के जाने माने स्वामी रामानंद को संरक्षक बनाया गया है। वहीं दहिया खाप के अठगामा के प्रधान एवं सरपंच विनोद दहिया इसके संयोजक होंगे।

भुर्री गांव में ग्रामीणों के साथ बैठक को किया संबोधित

'आजीविका ग्रामीण मिशन' बेरोजगार युवाओं के लिए कारगर साबित हो रहा : मल्होत्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

आजीविका मिशन ग्रामीण के जिला सहसंयोजक अंकित मल्होत्रा ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण बेरोजगार युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से संचालित आजीविका ग्रामीण मिशन जमीनी स्तर पर प्रभावी साबित हो रहा है। अंकित मल्होत्रा रविवार को गन्नौर विधानसभा के भुर्री गांव में ग्रामीणों के साथ आयोजित बैठक में ग्रामीणों को सम्बोधित कर रहे थे। बैठक में बड़ी संख्या में ग्रामीण युवा व ग्रामीण मौजूद रहे। मल्होत्रा ने ग्रामीणों को योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि आजीविका ग्रामीण मिशन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगार युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार व स्वरोजगार से जोड़ना है।

विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षण दिया जा रहा

इस योजना के तहत युवाओं को उनकी रुचि व योग्यता के अनुसार विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, जिससे वे खुद का रोजगार शुरू कर सकें या निजी क्षेत्र में नौकरी प्राप्त कर सकें। इस अवसर पर युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष प्रवीण, जिला महामंत्री तरुण देवीदास, मंडल अध्यक्ष श्रवण कौशिक, नितेश त्यागी व दीपक नैन सहित कई पार्टी कार्यकर्ता व ग्रामीण मौजूद रहे।

सुभाष चंद्र को सर्वसम्मति से बने रिटायर्ड कर्मचारी संघ के ब्लॉक अध्यक्ष

गन्नौर। रविवार को जाट धर्मशाला गन्नौर में केंद्रीय सेवानिवृत कर्मचारी से संबंधित पेंसनर्ज के हितों को ध्यान में रखते हुए अखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशनर्स फेडरेशन के अंतर्गत एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता फेडरेशन के जिला अध्यक्ष महेंद्र सिंह भनवाला ने की । इस अवसर पर रिटायर्ड कर्मचारी संघ हरियाणा ब्लॉक गन्नौर की नई कार्यकारिणी का चुनाव भी सर्वसम्मति से किया गया। जिला अध्यक्ष भनवाला ने गन्नौर कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए बताया कि सुभाष चंद्र को प्रधान, राजवीर सिंह, जगदीश चंद्र व महेंद्र मलिक को उप प्रधान, सुलेख चंद पांचाल को महासचिव, सुरजीत धनखड़ सचिव, राजेंद्र सिंह मलिक कोषाध्यक्ष चुना गया। आरके शर्मा ऑडिटर, राज सिंह सरोहा सलाहकार चुने गए है। रामकरण, श्यामलाल व शिवदास कार्यकारिणी के सदस्य बनाए गए हैं मास्टर सतबीर कादियान को संयोजक नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष सुभाष चंद्र ने कहा कि वे जिम्मेदारी पूरी ईमानदारी व निष्ठा के साथ निर्वहन करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि कर्मचारी कर्मचारियों के हित में जो भी कदम उठाने पड़ेंगे वह सभी काम रिटायर्ड कर्मचारियों के साथ मिलकर उठाने से पीछे नहीं हटेंगे।

जिलेभर में चलाया कॉम्बिंग ऑपरेशन

सोनीपत। पुलिस प्रशासन ने रविवार को जिलेभर में विशेष कॉम्बिंग ऑपरेशन चलाया। इसका उद्देश्य असामाजिक तत्वों पर प्रभावी नियंत्रण रख कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाना है। पुलिस टीमों ने संवेदनशील क्षेत्रों, बाजारों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, ढाबों, होटलों और किरायेदारों-कामगारों की बस्तियों में सघन जांच की। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार पुलिस कमिश्नर ममता सिंह की तरफ से विभाग को कड़ी निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। इन्हीं के चलते जिलेभर में विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान बड़ी संख्या में व्यक्तियों के आईडी कार्ड व पहचान पत्रों की जांच की गई। संदिग्ध व्यक्तियों से मौके पर पूछताछ कर सत्यापन किया गया। पुलिस अधिकारियों ने आम नागरिकों से अपील की है कि वो सत्यापन एवं जांच में पुलिस का सहयोग करें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत नजदीकी पुलिस थाने में हेल्पलाइन 112 पर दें।

सीएमआर कबड्डी अकादमी की टीम ने जीता सिल्वर पदक

अंकुश गहलावत ने बढ़ाया क्षेत्र का मान बने अखिल भारतीय सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

सीएमआर कबड्डी अकादमी गुमड के होनहार खिलाड़ी अंकुश गहलावत ने अंडर 19 में पट्टी कल्याण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यालय में हुई एसजीएफआई कबड्डी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर राष्ट्रीय स्तर पर नाम रोशन किया है। वही अकादमी की टीम ने दूसरा स्थान प्राप्त कर सिल्वर पदक प्राप्त किया। टीम में अक्षय, मयंक, सुभम ने भी बेहतर प्रदर्शनकिया। अंकुश को प्रतियोगिता में अखिल भारतीय सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर का खिताब मिला।अंकुश गहलावत ने राइट कवर डिफेंडर के रूप में बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। उनकी मजबूत पकड़, तेज रिफ्लेक्स और सटीक टैकल ने विपक्षी टीमों के छक्के छुड़ा दिए।

सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और एकडेमी को दिया

निर्णायक मुकाबलों में निभाई अहम भूमिका

उनके शानदार प्रदर्शन का ही परिणाम रहा कि दिल्ली टीम ने राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में रजत पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता के दौरान अंकुश ने कई निर्णायक मुकाबलों में अहम भूमिका निभाई। सेमीफाइनल और फाइनल मैचों में उनके द्वारा किए गए टैकल दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहे। अकादमी में उनकी सफलता को अन्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बताया जा रहा है। अंकुश गहलावत की इस उपलब्धि पर खेल प्रेमियों, ग्रामीणों ने बधाई दी है। अंकुश ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, कोच और अकादमी को देते हुए कहा कि वे आगे भी देश और प्रदेश के लिए बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास करेंगे।

खेलों में करियर निर्माण की काफी संभावनाएं : शर्मा

- युवाओं से पढ़ाई करने के साथ-साथ खेलों में भी आगे आने का आह्वान किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) की प्रोटोकॉल समिति के चेयरमैन देवेन्द्र शर्मा ने युवाओं को पढ़ाई करने के साथ-साथ कुश्ती सहित अन्य खेलों में कॅरियर निर्माण के लिए आगे आने का आह्वान किया है। चेयरमैन देवेन्द्र शर्मा ने कहा कि आज खेल केवल शारीरिक गतिविधियां नहीं अपितु एक बड़ा उद्योग है। युवा खेलों में आगे बढक़र अपने कॅरियर का निर्माण कर सकते हैं। आज कुश्ती सहित अन्य खेलों में कॅरियर निर्माध की काफी संभावनाएं हैं। देवेन्द्र शर्मा ने कहा कि खेलों में सफलता के लिए पढ़ाई भी आवश्यक है। युवा पढ़ाई के साथ-साथ अपनी पंसद के एक खेल का चुनाव कर इस दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। खेलों में कॅरियर निर्माण के लिए युवा अच्छे खिलाड़ी बनने के साथ कोच, स्पोर्ट्स मैनेजमेंट, शिक्षक और स्पोर्ट्स साइंस एंड मेडिसिन में अपना कॅरियर बना सकते हैं। डब्ल्यूएफआई की प्रोटोकॉल समिति के चेयरमैन देवेन्द्र शर्मा ने कहा कि अब कुश्ती में कॅरियर निर्माण की अच्छी संभावनाएं हैं, जो पारंपरिक अखाड़ों से लेकर ओलंपिक और प्रो-कुश्ती तक फैली हुई हैं। कुश्ती में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य लाभ के साथ कॅरियर निर्माण के अच्छे अवसर हैं।

संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आरएसएस की प्रमुख नागरिक गोष्ठी आयोजित

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वास्तविक विचारधारा व भूमिका को समझाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में गेटवे इंस्टीट्यूट में प्रमुख नागरिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से नागरिकों, बुद्धिजीवियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं प्रबुद्ध वर्ग ने सहभागिता की। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वास्तविक विचारधारा, कार्यप्रणाली एवं सामाजिक भूमिका को समझा। कार्यक्रम की अध्यक्षता 1008 स्वामी दयानंद सरस्वती यति महाराज ने की। मुख्य वक्ता के रूप में रोहतक विभाग कार्यवाह डॉ. देवेंद्र, विद्या भारती के उत्तर क्षेत्र संगठन मंत्री विजय नड्डा ने अपने विचार व्यक्त किए। डॉ. देवेंद्र ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्षों की विकास यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संघ ने निरंतर राष्ट्र निर्माण, समाज सेवा एवं सांस्कृतिक चेतना के क्षेत्र में कार्य किया है। एक समय विरोधी यह कहते थे कि मंदिर वहीं बनाएंगे, पर तारीख नहीं बताएंगे।

सोनीपत। सोनीपत के गेटवे इंस्टीट्यूट में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से आयोजित प्रमुख नागरिक गोष्ठी में मौजूद 1008 स्वामी दयानंद सरस्वती यति महाराज व आरएसएस प्रतिनिधि।

संकल्प बना जनआंदोलन

आज प्रभु श्रीराम के नाम के साथ यह संकल्प एक ऐतिहासिक जनआंदोलन बनकर पूर्ण हुआ है, जो भारत की सांस्कृतिक अस्मिता व जनभावना का प्रतीक है। विजय नड्डा ने संघ के पंच परिवर्तन के विचार को लेकर कहा कि यह विचार संपूर्ण समाज के कल्याण से जुड़ा हुआ है। इसका उद्देश्य समाज को अधिक सशक्त, समरस, स्वच्छ, स्वावलंबी व मूल्यनिष्ठ बनाना है। गोष्ठी में रोहतक विभाग संघचालक डॉ. निर्मल खंडेलवाल, विभाग प्रचारक प्रदीप मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 8295154800, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नही हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

ॐ
शिक्षा जगति नारीणां कृतभूरि परिश्रमः।
राष्ट्रहिते सदालग्नः सिंहपीरू चरूयायते॥

चौधरी पीरू सिंह (1865- जनवरी 1928)
संस्थापक- गुरुकुल मटिण्डू
गुरुकुल मटिण्डू के 111वें स्थापना दिवस और दिव्यदर्शी, शिक्षाविशारद, परोपकारी एवं सर्वोत्तम वक्ता की पुण्य तिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि हवन का आयोजन
दिनांक : 20 जनवरी 2026 (मंगलवार) सुबह: 11 बजे।
मुख्य अतिथि : श्री पदम सिंह (पूर्व विधायक)
स्थान : गुरुकुल सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, मटिण्डू
आप सभी सादर आमंत्रित हैं।
निवेदक : ब्रिगेडियर सत्य देव, प्रधान
शिक्षा परिषद गुरुकुल मटिण्डू
संपर्क:- 9992220662